के.रे.ज.सं.के.

CSGRC

ISO 9001: 2015 certfied centre

खंड. Vol. XVIII. स. No. 1, 2018 - 19 अर्धवार्षिक समाचारपत्र Half yearly Newsletter सितंबर September 2018

निदेशक की ओर से

केन्द्रीय रेशम जननद्रव्य संसाधन केन्द्र (केरेजसंके), होसूर ने अन्य केरेबो इकाइयों के सहयोग से विभिन्न अनिवार्य गतिविधियों पर जिसमें कृषि-जलवायु स्थितियों के तहत जननद्रव्य प्रबंधन, विशेषता, उपयुक्तता हेतु मूल्यांकन और वैज्ञानिक एवं तकनीकी जनशक्ति हेतु प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा है। फसल सुधार हेतु व्यापक उपयोग एवं मूल्यांकन के लिए शहतूत एवं रेशमकीट प्रजातियों को रोग मुक्त संरक्षण करना ही गतिविधियों का उद्देश्य है।

यह न्यूज़लैटर अप्रैल - सितंबर 2018 के दौरान केंद्र की प्रमुख गतिविधियों पर प्रकाश डालता है।

डॉ. सतीश वर्मा, निदेशक प्रभारी

अनुसंधान गतिविधियाँ

केंद्र ने 1,292 शहतूत अभिगमों [स्वदेशी - 1007; विदेशी - 285] तथा 475 रेशमकीट जननद्रव्य अभिगम [बहुप्रज - 83, द्विवप्रज - 369 एवं उत्परिवर्ती - 23] का व्यवस्थित संरक्षण और रख-रखाव किया है। वैज्ञानिक मूल्यांकन और शहतूत एवं रेशमकीट शहतूत आनुवंशिक संसाधनों के लक्षण वर्णन के आशाजनक अभिगमों की पहचान हेतु विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए भी जारी रखा गया था।

केंद्र में कुल सात शोध परियोजनाएं जारी रहें जिनमें से दो परियोजनाएं अन्य केरेबो संस्थानों द्वारा लिया गया था और केरेजसंके, होसूर उक्त सहयोगियों में से एक था।, शहतूत के अनुवांशिक वृद्धि पर एक बहु-संस्थागत डीबीटी वित्त पोषित परियोजना को शूरू किया जिसमें केरेजसंके, होसूर सहयोगियों में से एक है और रेशमकीट आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण पर एक कार्यक्रम का आरंभ किया गया। 2018-19 के लिए कार्य योजना की समीक्षा हेतु बैठक के दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार और केंद्र के जनादेश को ध्यान में रखते हुए, तसर रेशम कीट वीर्य एवं कृत्रिम गर्भाधान के शीतसंरक्षण पर परियोजना को केतअएंप्रसं, रांची में स्थानांतरित किया गया।

From Director's Desk

Central Sericultural Germplasm Resources Centre (CSGRC), Hosur continued to concentrate on mandated activities covering germplasm management, characterization, evaluation for suitability under different agro-climatic conditions in collaboration with other CSB units, and training of scientific and technical manpower. The activities aimed at pest and disease free conservation of mulberry and silkworm races for wider utilization and evaluation for crop improvement.

This Newsletter highlights the salient activities of the Centre during April – September 2018.

Dr. Satish Verma
DIRECTOR I/c.

RESEARCH ACTIVITIES

The Centre carried out systematic conservation and maintenance of 1,292 mulberry accessions [Indigenous - 1007; Exotic - 285] and 475 silkworm germplasm accessions [Multivoltine – 83, Bivoltine – 369 and Mutants - 23]. The scientific evaluation and characterization of mulberry and silkworm genetic resources are also continued for identification of promising accessions for different applications. A total of seven research projects are continued at the centre of which, two projects were taken up by other CSB institutes and CSGRC Hosur was one of the collaborators. Further, a multi-institutional DBT funded project on genetic enhancement of mulberry with CSGRC Hosur as one of the collaborators and one program on conservation of silkworm genetic resources are initiated. However, as per decision taken during the meeting to review Action Plan for 2018-19 and keeping in view of the centre's mandate, the project on cryopreservation of tasar silk moth semen and artificial insemination was shifted to CTR&TI Ranchi.

Published by: Dr. Satish Verma, Director I/c.

स्वागत - नए प्रभारी निदेशक एवं वैज्ञानिकगण

रिपोर्ट अवधि के तहत के दौरान, डॉ सतीश वर्मा, वैज्ञानिक-ई ने केरसंएवंप्रस, मैसूर से स्थानांतरण पर प्रभारी निदेशक का प्रभार ग्रहण किया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वागत किया और डॉ वर्मा ने सभी कर्मचारियों और प्रक्षेत्र कामगारों के साथ इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की तथा केंद्र की गतिविधियों पर चर्चा की।

पांच वैज्ञानिक अर्थात, डॉ.एस. सोप्रप्रकाश, वैज्ञानिक-डी, डॉ. एस. मसिलामनी, वैज्ञानिक - डी, डॉ. सी.आर. नाराजज, वैज्ञानिक - डी, डॉ. जमीला खातून, वैज्ञानिक - डी (आर एंड एस) और श्रीमती. जी. पुनीतावती, वैज्ञानिक – डी भी केंद्र में शामिल हुए।

Dr. D. S. Somaprakash

Dr. S. Masilamani

Dr. C.R. Nagaraj

WELCOME - New Director I/c and Scientists

During the period under report, Dr. Satish Verma, Scientist-E took charge as the Director I/C on transfer from CSR&TI Mysore. The officers and staff gave a warm welcome and Dr.Verma held interactive meet with all staff and farm workers and discussed the activities of the centre.

Five more scientists also joined the Centre *viz.* Dr. D.S.Somaprakash, Scientist-D, Dr. S. Masilamani, Scientist – D, Dr.C.R.Nagaraj, Scientist–D, Dr.Jameela Khatoon, Scientist – D (R&S) and Smt.G.Punitavathy, Scientist – D.

Dr. Jameela Khatoon

Smt. G. Punithavathy

बैठक

केरेजसंके, होसूर के निदेशक की अध्यक्षता में नियमित मासिक समीक्षा बैठकें और दो शोध परिषद की बैठकें आयोजित की गईं जिसमें चल रहे अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति, नए परियोजना प्रस्तावों और अन्य गतिविधियों पर चर्चा की गई।

MEETING

Regular monthly review meetings and two Research Council meetings were held under the Chairpersonship of Director, CSGRC Hosur wherein progress of ongoing research projects, new project proposals and other activities were discussed.

अन्य गतिविधियां

स्वतंत्रता दिवस उत्सव

15 अगस्त, 2018 को स्वतंत्रता दिवस कैंपस में सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रक्षेत्र कामगारों और उनके परिवार के सदस्यों की भागीदारी के साथ राष्ट्रीय ध्वज आरोहन के साथ मनाया गया। इसके बाद कैंपस परिसर के भीतर नारियल के पौधे लगाए गए।

स्वच्छ भारत गतिविधियाँ

स्वच्छ भारत गतिविधियों के भाग के रूप में, केंद्र के प्रक्षेत्र कामगारों के लिए दो शौचालयों का निर्माण फार्म हाउस के पास कर तथा औपचारिक रूप से उन्हें सौंप दिया गया । इसके अलावा सजावटी पौधों को आस-पास के क्षेत्र में लगाए गए थे।

OTHER ACTIVITIES

Independence Day celebration

The Independence Day was celebrated on 15th August, 2018 in the campus by hoisting of the National Flag with participation of all Scientists, Officers, Staff members, Skilled Farm Workers and their family members. This was followed by planting of coconut saplings within the campus premises.

Swachh Bharat activities

As a part of the Swachh Bharat activities, two toilets for Skilled Workers of the Centre constructed near the farm house were made functional and formally handed over to them. Further ornamental plants were also planted around the area.

Swachh Bharat activities at CSGRC campus

केरेजसंके कैंपस के मध्य से गुजरने वाली तथा एंडिवडी और होसूर झीलों को जोड़ने वाली मुख्य नहर (लगभग 500-600 मीटर लंबी) खरपतवार और उगने वाले झाड़ियों से ढका हुआ था। इस संबंध में, "दी पीपल्स सोसाइटी ऑफ होसूर" नामक एक एनजीओ जो पर्यावरण, होसूर, तमिलनाडु के आसपास के झील को संरक्षीत करती है उन्होने केंद्र के परिसर के मध्य से गुजरने वाली मुख्य नहर को पूरी तरह से खरपतवार और उगने वाले झाड़ियों को साफ किया। केंद्र ने खाली जमीनों को जो अधिक से अधिक पारथेनियम घास व अन्य घातक खरपतवारों से ढकी हुई थी और जो क्षेत्र जीन बैंक के समीप थी उसे भी साफ किया ताकि नए शहतूत संग्रह के वृक्षारोपण हेतु इसका उपयोग कर सकें।

दिनांक 18.09.2018 को केन्द्र में स्वच्छता ही सेवा पर एक कार्यक्रम को आरंभ किया जिसमें सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर,

प्रभारी निदेशक ने परिसर स्वच्छ रखने के महत्व पर बल दिया और सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ परिसर में एक स्वच्छता अभियान को भी चलाया।

शहतूत उद्यान तथा परिसर के खुले जगह जसै लॉन सहित तथा कीटपालन, धागाकरण अनुभागों के पीछे की खाली जगहों को भी खरपतवार मुक्त किया गया। रेशमकीट कीटपालन घरों को कीटाणुनाशकों के प्रभावी उपयोग कर, रेशमकीट बेड की सफाई तथा और कंपोस्टिंग हेतु कीटपालन रीसाइक्लिंग को भी साफ रखा गया । केंद्र के भंडार कक्ष को साफ किया गया और चीजों को उचित क्रम में व्यवस्थित रूप से रखा गया। आगे, अनुपयोगी वस्तुओं को छाँटा गया तथ उक्त को अनुपयोगी घोषित करने के लिए सिफारिश की गई। प्रयोगशालाओं और कार्यस्थलों को साफ कर दिया गया और पुराने रसायनों एवं खाली कंटेनरों का निपटान किया गया।

भवन और शीत भंडारण के सामने खुले इलाके एवं मार्ग को भी साफ किया गया। कर्मचारी आवास, कीटपालन भवन, बीजागार एवं धागाकरण इकाइयों के नवीनीकरण कार्य एवं पेंटिंग काम प्रगति पर हैं।

The main canal (about 500-600 mtrs length) connecting Anthivadi and Hosur Lakes passing through CSGRC Campus was covered with weeds and overgrown shrubs. With the support of "THE PEOPLE'S SOCIETY OF HOSUR" a NGO working on environment, conservation and lake preservation in and around Hosur, Tamilnadu, the entire length of the main canal passing through the centre was cleared of weeds / shrubs and thorny plants. The centre also took up clearing of uncultivated land covered with overgrown parthenium grass and other noxious weeds adjacent to the field gene bank for its utilization to take up plantation of new mulberry collections.

A program on Swachhata Hi Seva was also initiated on 18.09.2018 at the Centre with taking of the Swachhata Pledge by all the employees. On the occasion, the Director I/c emphasized on the importance of keeping the campus clean and a cleanliness drive was undertaken within the campus with active participation of all the employees.

The mulberry gardens and open areas in the campus including the lawn and vacant areas behind rearing, reeling sections were made weed free. The silkworm rearing houses were also maintained clean by resorting to effective use of disinfectants, bed cleaning and recycling rearing waste for composting. The Store room of the Centre was cleaned and arranged the things in proper order. Further, the unserviceable articles were sorted out and recommended for condemnation.

All the laboratories and work places were cleaned and outdated chemicals and empty containers were disposed off.

प्रशासनिक ब्लॉक में पुरानी फाइलों को छाँटा गया तथा 20 फाइलों के साथ ही साथ वाउचर के साथ 14 बॉक्स फाइलें रिकॉर्ड रूम में स्थानांतरित कर दिए गए। इसके पश्चात, कर्मचारी आवास, कार्यालय भवन, अतिथि गृह, बालउद्ध्यान, कीटपालन भवन, धागाकरण भवन और शीत भंडारण के सामने खुले इलाके एवं मार्ग को भी साफ किया गया। कर्मचारी आवास, कीटपालन भवन, बीजागार एवं धागाकरण इकाइयों के नवीनीकरण कार्य एवं पेंटिंग काम प्रगति पर हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस

स्वच्छ भारत गतिविधियों के दौरान साफ किए गए क्षेत्र के एक हिस्से में टर्मिनलिया अर्जुन के पौधो को लगाकर दिनांक 5 जून 2018 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। अंदिवाडी के सरकारी विद्यालय के छात्र और शिक्षक केरेजसंके, होसूर, एरी एसएसपीसी एवं एनएसएसओ शीत भंडारण संयंत्र, होसूर के कर्मचारी एवं अधिकारियों ने उक्त समारोह में भाग लिया। इसके अलावा छात्रों ने बीज की बुवाई में भी भाग लिया और परिसर की सीमा में बाड़ बनाने के लिए कांटेदार पौधों का रोपण किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

केंद्र ने 21.6.2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। ईशा योग केंद्र, होसूर के स्वयंसेवकों ने योग का प्रदर्शन किया। अंग्रेजी और तमिल में दो सत्र आयोजित किए गए। सभी सदस्यों ने योग सत्र में भाग लिया।

आमंत्रित व्याख्यान

केंद्र ने दिनांक 17.7.18 को बेंगलुरू के डॉ. किरण पेटकर, स्पेर्श अस्पताल, बेंगलुरू द्वारा एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें उन्होंने "प्लास्टिक सर्जरी आज" पर एक प्रस्तुति दी। केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ एरी एसएसपीसी तथा शीत भंडारण संयंत्र, एनएसएसओ, होसूर के कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। प्लास्टिक सर्जरी में शामिल नवीनतम प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के बारे में चर्चा की। प्रतिभागीयों के सभी शंकाओं का निवारण डॉ. किरण ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को उक्त पर जानकारी प्राप्त करने हेतु स्पेश अस्पताल, बेंगलुरू आने के लिए आमंत्रित किया और जरूरत पड़ने पर सभी मदद करने हेतु सुनिश्चित किया।

Old files in the Administrative Block were sorted and 20 files as well as 14 box files with vouchers were shifted to the record room. Subsequently, the open areas and passages in front of the Staff quarters, Office building, Guest House, Children Park, Rearing Houses, Reeling Building and Cold Storage were also cleaned. The renovation work of Staff Quarters, Rearing houses, Grainage and Reeling Units, the painting works are in progress.

World Environment Day

The World Environment Day was celebrated on June 5th 2018 by planting *Terminalia arjuna* saplings in a portion of the area cleared during Swatch Bharat activities. Students and teacher of Govt. School, Andhivadi and staff and officers of CSGRC Hosur, Eri SSPC and NSSO Cold Storage Plant, Hosur participated in the celebrations. Further the students also participated in sowing of seeds and planting of thorny plants for developing live fencing along the boundary of the campus.

International Yoga Day

The Centre celebrated International Yoga Day on 21.6.2018. Volunteers from the Isha Yoga Centre, Hosur gave a demonstration of yoga. Two sessions were held one in English and the other in Tamil. All staff members participated in the yoga sessions.

Invited lecture

The Centre organized an invited lecture by Dr. Kiran Petkar, Sparsh Hospital, Bengaluru on 17.7.18 wherein he delivered a presentation on “Plastic surgery today”. The officers and staff of the Centre as well as staff from Eri SSPC and Cold Storage Plant, NSSO, Hosur participated in the programme. The talk was an eye opener on the latest technologies and procedures involved in plastic surgery. The participants put forth their doubts which were cleared by Dr. Kiran. He invited the participants to visit Sparsh Hospital, Bengaluru for obtaining firsthand information on the same and ensured all help in case of need.

राजभाषा कार्यान्वयन

दिनांक 25.06.2018 और 29.09.2018 को ईरी एसएसपीसी और शीत भंडारण संयंत्र, होसूर के साथ संयुक्त रूप से राजभाषा (हिंदी) के कार्यान्वयन के लिए दो कार्यशालाएं आयोजित की गई। पहली कार्यशाला में हिंदी शिक्षण योजना, चेन्नई के सहायक निदेशक (रा.भा.) श्री. कोमल सिंह और दूसरा श्री. राजनटेशन, हिंदी अनुवादक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स द्वारा आमंत्रित व्याख्याता शामिल थे।

पहली कार्यशाला में राजभाषा का परिचय तकनीकी शब्दावली, कार्यान्वयन आदि विषय शामिल थे, जबकि, दूसरी कार्यशाला में राजभाषा नीति के प्रमुख बिंदुओं तथा सरकार द्वारा इसे अपनाने के विषय शामिल थे। दोनों कार्यशालाएं बहुत प्रभावी थीं और केन्द्र के पदधारियों के नियमित हिन्दी कार्य जसै टिप्पण, मसौदा व पत्र लेखन में वृद्धि हुई है। राजभाषा कार्यान्वयन कार्यक्रम के तहत केंद्र ने प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ जसै पूर्णकालिक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सुविधा प्रदान की। प्रशिक्षण कोमल सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा), हिंदी शिक्षण योजना, चेन्नई द्वारा आयोजित की गई। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में केंद्र के पदधारीगण, केरेबो के निकटतम इकाइयां यानी ईएसएसपीसी एवं एसएसपीसी, होसूर और अन्य केंद्रीय सरकारी कार्यालय जसै दक्षिणी रेलवे, केंद्रीय उत्पाद शुल्क आदि जैसी इकाइयों के उम्मीदवारों शामिल थे।

दिनांक 30.6.2018 एवं 14.09.2018 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दो बैठकें आयोजित की गई जिसमें कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई और सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया गया की उनके नियमित कार्य में राजभाषा हिंदी के उपयोग को बढ़ाने हेतु अपना अथक प्रयास जारी रखे। हिंदी दिवस दिनांक 14.09.2018 को भारतीय भाषाओं के सौहार्द दिवस के रूप में मनाया गया जिसके बाद केन्द्र एवं ईएसएसपीसी और एसएसपीसी, होसूर के वैज्ञानिकों / अधिकारियों / कर्मचारियों / प्रक्षेत्र कामगारों कों शामिल करते हुए दिनांक 14.09.2018 से 29.09.2018 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान, चार प्रतियोगिताएं अर्थात्, सही लेखन (300 शब्द), टिप्पण / पत्र लेखन, हिंदी वर्णाशक्ति और अंताक्षरी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बेंगलुरु के श्री राजनटेशन, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक की उपस्थिति में दिनांक 29.09.2018 को हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह मनाया गया और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया।

Official language implementation

Two workshops were organized towards implementation of Official language (Hindi) during the period under report jointly with Eri SSPC and Cold Storage Plant, Hosur on 25.06.2018 and 29.09.2018. The first workshop consisted of invited lecture by Mr. Komal Singh, Assistant Director (RB) of the Hindi Teaching Scheme, Chennai and the other by Shri Rajanatesan, Hindi Translator, Indian Institute of Astrophysics.

The first workshop covered topics on introduction of official language, technical glossary, implementation etc., while, the second workshop included key points of the Official Language Policy and its adoption by the government. Both workshops were very effective and staff members of the Centre have enhanced the usage of Hindi in routine notings / draftings / letters.

Under the Official Language Implementation Program the Centre facilitated for full time intensive training programs *viz*. Prabodh, Praveen and Pragya. The training was conducted by Shri. Komal Singh, Assistant Director (Official Language), Hindi Shiksha Yojana, Chennai. The candidates for the said training programs included staff members of the centre, other nearby CSB units i.e. ESSPC and SSPC Hosur, and other Central Govt. units like Southern Railways, Central Excise etc.

Two meetings of the Official Language Implementation Committee were organized under on 30.6.2018 and 14.09.2018 wherein the progress of work was reviewed and all staff were requested to try their best to increase the usage of Hindi in routine official work as mandated. Hindi Day was celebrated on 14.09.2018 as a cordial day of Indian languages following which Hindi Fortnight was organized from 14.09.2018 to 29.09.2018 with the support of scientists / officials / employees and field workers of ESSPC and SSPC, Hosur. During the Hindi fortnight, four competitions *viz*. Correct Writing (300 words), Noting / Letter Writing, Hindi Varnashakti and Antakshari were organized. The concluding day of Hindi fortnight was organized on 29.09.2018 with Shri Rajanatesan, Senior Hindi Translator, Indian Institute of Astrophysics, Bengaluru as the Chief Guest and winners of the various competitions were awarded prize money.

आगंतुक

डॉ एस अय्यप्पन अध्यक्ष, अनुसंधान समन्वय समिति, केन्द्रीय रेशम बोर्ड

अप्रैल 2018 के दौरान केन्द्रीय रेशम बोर्ड के डॉ. एस. अय्यप्पन अध्यक्ष, अनुसंधान समन्वय समिति ने केन्द्रीय रेशम बोर्ड के डॉ. के. विजयन, वैज्ञानिक डी के साथ केंद्र का दौरा किया। उन्होंने वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की और जननद्रव्य संग्रह एवं विभिन्न अनुभागों का दौरा भी किया। उन्होंने किए गए कार्यों तथा जननद्रव्य संग्रह के संपोषण की सराहना की।

श्री. सतीश कुमार, निदेशक (वित्त), केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरू

अप्रैल 2018 के दौरान, श्री. सतीश कुमार, निदेशक (वित्त), केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरू ने भी केंद्र का दौरा किया और वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने विभिन्न अनुभागों एवं जननद्रव्य संग्रह, कर्मचारी आवास, अतिथि गृह का भी दौरा किया और केंद्र के स्वच्छ रखरखाव के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की।

VISITORS

Dr. S. Ayyappan *Chairman, Research Co-ordination Committee, Central Silk Board*

Dr. S. Ayyappan, Chairman, Research Co-ordination Committee, Central Silk Board visited the Centre along with Dr.K.Vijayan, Scientist D, Central Silk Board, Bengaluru during April 2018. He held interactions with the scientists and staff and also visited the germplasm collections and different sections. He appreciated the work carried out and the well maintained germplasm collections.

Shri Satish Kumar, *Director (Fin.), Central Silk Board, Bengaluru*

During April 2018, Shri Satish Kumar, Director (Fin), Central Silk Board, Bengaluru also visited the Centre and held interactions with the scientists and staff. He also visited different sections and the germplasm collections, quarters, Guest house and expressed his appreciation for neat maintenance of the Centre.

शहतूत एवं रेशमकीट आनुवंशिक संसाधनों की आपूर्ति

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विभिन्न संस्थानों / विश्वविद्यालयों को 51 विदेशी और 350 स्वदेशी अभिगमों के शहतूत कर्तन शोध परियोजनाओं, मूल्यांकन, खेती आदि जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए प्रदान किए गए। इसी प्रकार बॉम्बेक्स मोरी रेशमकीट अभिगमों के 17 बहुप्रज एवं 19 द्विप्रज अंडों को पीजी अनुसंधान, मूल्यांकन, नस्लों के रखरखाव और प्रजनन संसाधन सामग्री हेतु मागकर्ताओं को आपूर्ति की गई।

लोक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली का उपयोग (पीएफएमएस)

इस केंद्र के विक्रेताओं एवं कर्मचारियों / प्रक्षेत्र कामगारों के बिल / वेतन / मजदूरी को ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करने हेतु केन्द्र ने लोक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) पोर्टल (https://pfms.nic.in) सुविधा के उपयोग को जारी रखा है।

सरकार इमार्केटप्लेस का उपयोग (जीईएम)

भारत सरकार के निर्देशानुसार, आवश्यकता के अनुसार विभिन्न वस्तुओं की खरीद के लिए केंद्र ने जीईएम पोर्टल (www.gem.gov.in) सुविधा के उपयोग को जारी रखा है।

केरेजसंके होसुर वेबसाइट

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान केरेजसके होसुर वेबसाइट (www.csgrc.res.in) को नवीनतम सूचना और शोध परिणाम के साथ अद्यतन किया गया है। शहतूत और रेशमकीट शोधकरता/छात्र और इंडेंटर्स अपनी ज़रूरतों के लिए वेबसाइट पर जा सकते हैं।

.

मान्यता

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, दो वैज्ञानिकों अर्थात डॉ. एन. बालचंद्रन और डॉ. एम. मुत्थुलक्ष्मी को मैसूर विश्वविद्यालय से पीएचडी डिग्री प्राप्त की। डॉ जी थनवेंदन, वैज्ञानिक-बी को भी तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर से पीएचडी डिग्री से सम्मानित किया गया।

Dr. N. Balachandran, Scientist-D

Dr. M. Muthulakshmi, Scientist-D

Dr. G. Thanavendan Scientist-B

Supply of mulberry and silkworm genetic resources

During the period under report, mulberry cuttings of 51 exotic and 350 indigenous accessions were supplied to different institutes/Universities for different purposes like research project works, evaluation, cultivation etc. Similarly, eggs of 17 multivoltine and 19 bivoltine *Bombyx mori* silkworm accessions were supplied to indenters for PG research, evaluation, maintenance of breeds and as breeding resource materials.

Utilization Of Public Financial Management System (PFMS)

The Centre continued the utilize Public Financial Management System (PFMS) portal (https://pfms.nic.in) facility for online payment of bills/salary/wages to vendors and staff/ skilled workers of this centre.

Utilization of GeM

As per Government of India directives, the Centre continued utilization of the GeM portal (www.gem.gov.in) facility for procurement of various items as per requirement.

CSGRC website

During the period under report CSGRC website (www.csgrc.res.in) has been updated with latest information and research outcome. The mulberry and silkworm Researchers/Students and Germplasm indentors may visit the website for their requirements.

Recognition

Dr. N. Balachandran, Scientist-D and Dr. M. Muthulakshmi, Scientist-D obtained Ph.D degrees from the University of Mysuru. Dr. G. Thanavendan, Scientist-B also obtained Ph.D degree from Tamil Nadu Agricultural University (TNAU), Coimbatore.

अधिवर्षिता

डॉ. गर्गी जिन्होंने फरवरी 2017 से मई 2018 तक केंद्र के निदेशक के रूप में कार्य किया वह 31 मई 2018 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुई। केंद्र के अधिकारी और कर्मचारियों ने उनके शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना करे हुए उन्हें विदा किया। कर्मचारियों ने निदेशक को उनके द्वारा दिए गए सुविधाओं के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की और केंद्र में अपने कार्यकाल के दौरान सब के साथ उनके सहायक दृष्टिकोण और बातचीत की सराहना की।

श्रीमती. रानी, टीएसएफडब्ल्यू ने बोर्ड में 30 साल और इस केंद्र में 19 साल की सेवा पूरी करने के बाद वह 13.06.2018 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुई। अधिकारी और कर्मचारियों ने उनके शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना करे हुए उन्हें विदा किया।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, चार वैज्ञानिक एवं एक आशुलिपिक को केरेबो के अन्य संस्थानों / इकाइयों में स्थानांतरित किया गया । डॉ. एस. निवेदिता (आर एंड एस), को केरेएप्रसं, बेंगलुरु, डॉ. के. झांसीलक्ष्मी को आरइसी, कृष्णगिरी और डॉ. एन. बालचंद्रन एवं डॉ. एम. मुत्थुलक्ष्मी को केरेउएप्रसं, मैसूर में स्थानांतरित किए गए वैज्ञानिक थे। श्री. पी. सी. बर्मन, आशुलिपिक को केंद्रीय कार्यालय, केरेबो, बेंगलुरू में सहायक अधीक्षक के रूप में पदोन्नति पर स्थानांतरित किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों उन्हें विदाई दी और संबंधित इकाइयों में अपनी नई पारी में उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी।

SUPERANNUATION

Dr.Gargi who served as the Director of the Centre from February 2017 to May 2018 superannuated on 31st May 2018. The officers and staff of the Centre bid her farewell wishing her a peaceful retired life. The staff members conveyed their wholehearted thankfulness to the Director for the facilities created and appreciated her helpful attitude and interaction with one and all during her tenure at the Centre.

Smt. Rani, SFW(TS) superannuated on 13.06.2018 after completing 30 years of service in the Board and 19 years at the Centre. The officers and staff bid her farewell wishing her a peaceful retired life.

During the period under report, four scientists and one Stenographer were transferred to other CSB institutes / units. The scientists transferred were Dr.S.Nivedita (R&S) to CSTRI Bengaluru, Dr.K.Jhansilakshmi to REC Krishnagiri and Dr.N.Balachandran and Dr.M.Muthulakshmi to CSR&TI Mysore. Shri P.C.Burman, stenographer was transferred to Central Office, CSB Bengaluru on promotion as Asst. Supdt. The officers and staff members bid them farewell and wished them all the best for a bright future in their new innings at the respective units.

Published by: **Dr. Satish Verma, Director I/c.**
Compiled and Edited by: **Dr. Geetha N. Murthy, Scientist-D**
Hindi Translation: **Dr. Geetha N. Murthy, Scientist-D and Sheeba V S, Junior Hindi Translator**
Photography : **Shri. Narendra Kumar, Librarian & Information Assistant & Dr. G. Thanavendan, Scientist-B**
DTP: **Sri S. Sekar, Assistant Director (Computer)**

Central Sericultural Germplasm Resources Centre
Central Silk Board (Ministry of Textiles, Govt. of India)
P.B. No. 44, Thally Road, Hosur – 635 109
Phone : 04344 – 222013, 221148, Fax : 220520
e-mail : csgrchos.csb@nic.in , csgrchosur@gmail.com
website : www.csgrc.res.in

To